

फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय

लम्बगांव, प्रतापनगर, टिहरी गढ़वाल



प्रवेश निर्देशिका
(प्रवेश सम्बन्धी नियम
तथा आवश्यक सूचनाएं)

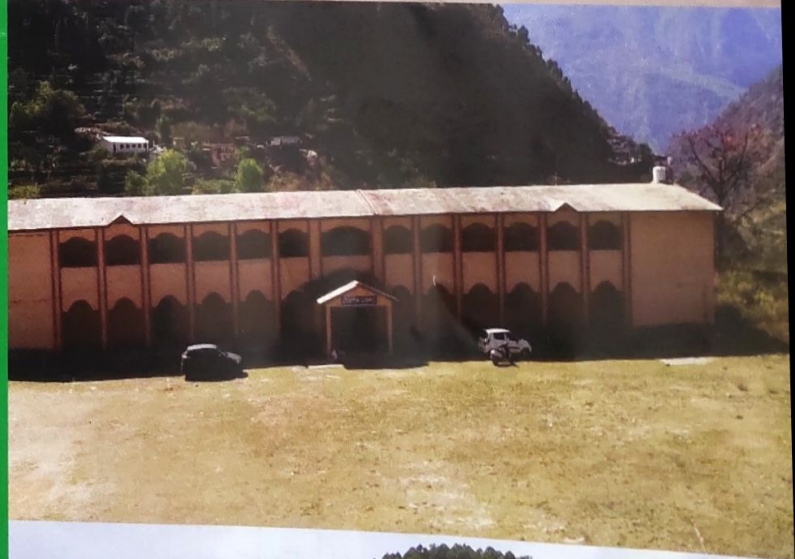
आवेदन पत्र सहित रू0 100/-

Phone-9997978937, 8006736567

Website: www.psbcollegelambgaon.com

Email: gdclambgaon2001@gmail.com

Facebook: www.facebook.com/psb.lambgaon.7/



संदेश



“आ नो भद्राः कृतवो यन्तु विश्वतः”

Let the noble thought comes to us from all the sides :- 'Rigveda'

ऋग्वेद एवं भारतीय मनीषा ज्ञान के बहुलतावादी एवं सार्वभौमिक रूप की सतत पक्षधर रही है। विराट विचार का चहुँओर से आगमन ही प्रस्थापना, आहवाण एवं प्रार्थना की सद्इच्छा भारत एवं भारतीय सभ्यता को एशिया की विराट एवं प्राचीनतम सभ्यता संस्कृति में परिवर्तित करती है और हमें यह स्मरण रखना होगा। विचार एवं दृष्टि का खुलापन। वैश्वीकरण से कई हजार वर्ष पूर्व का शुद्ध पौवात्य विचार है। शिक्षा को जीवन पद्धति एवं समग्र मनुष्यता के निमित्त मानना यह भारत की देशज और मौलिक संकल्पना है। स्मृतिजन्य शाब्दिक ज्ञान के स्थान पर अनुभवजन्य ज्ञान को महत्ता देना, यह ज्ञान परंपरा का विश्व सभ्यता को विराट अवदान है।

शिक्षा एक देश की आर्थिकी, स्वस्फूर्त सामाजिक संगठन एवं जीवन्त संस्कृति के विकास का महत्वपूर्ण स्तम्भ है। शिक्षा समाज को ज्ञान एवं कौशल प्रदान करती है जिसके द्वारा राष्ट्र के युवा वर्ग के चरित्र एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शिक्षा मानव की क्षमता के अवसरों में वृद्धि करती है जिसके द्वारा एक राष्ट्र के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में यथोचित सुधार स्थापित करना सम्भव होता है। शिक्षा के ही द्वारा दरिद्रता एवं रूढ़िवादिता को समाज से समाप्त कर सामाजिक समरसता एवं सबल प्रजातान्त्रिक संरचना की स्थापना सम्भव है।

शिक्षा व्यक्तियों को उनके विचार/मत प्रकट करने की शक्ति, उनकी वास्तविक क्षमता तथा उनके द्वारा चुने गये क्षेत्र में बेहतर दृष्टिकोण प्रदान करने में सहायक है। शिक्षा ही वह कुंजी है जिसके द्वारा मानव सकारात्मक सोच के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर होकर बेहतर कौशल, सभ्य समाज, जीवन्त संस्कृति एवं उत्कृष्ट जीवन शैली प्राप्त कर सकता है।

महाविद्यालय शिक्षा के इन्ही मौलिक उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के सार्वभौमिक विकास, आभ्यान्तर एवं वाह्य सकारात्मक वृत्तियों की अभिवृद्धि में प्रयत्नरत है। मात्र कागजी ज्ञान छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक नहीं बनाया जा सकता। उसे अपने राष्ट्र, समाज और कर्तव्यकर्म के प्रति जागरूक करना भी आधुनिक शिक्षा का मूल उद्देश्य है।

महाविद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ छात्रों में रचनात्मक दृष्टिगत विकसित करने के लिए पाठ्य सहगामी क्रियाओं को निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है। महाविद्यालय में हजारों पुस्तकों से युक्त आधुनिक पुस्तकालय, समुन्नत प्रयोगशाला, वाह्य एवं आन्तरिक क्रीडा सामग्री, व्यायाम उपकरण, अकादमिक एवं सांस्कृतिक कलेण्डर के अनुसार समय-समय पर बौद्धिक विचार गोष्ठियाँ और व्याख्यान मालाओं का आयोजन वर्ष भर किया जाता है। छात्रों में स्वस्थ तनमन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने के लिए अनेक क्रीडा प्रतियोगिताओं, लेखन, योग आदि का संचालन भी किया जाता है। परास्नातक स्तर पर भूगोल एवं राजनीति विज्ञान की कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध है। अपनी स्थापना से लेकर वर्तमान समय तक महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा है। इसके अतिरिक्त एंटी रैगिंग, धूम्रपान निषेध, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ, सी0सी0टी0वी0 कैमरा इन्टरनेट वाई-फाई कैरियर के प्रति परामर्शदात्री समिति आदि महाविद्यालय में उपलब्ध है। महाविद्यालय शैक्षिक गतिविधियाँ तथा उपलब्धियाँ प्रशंसनीय है। 'महाविद्यालय में उत्कृष्ट अकादमिक ज्ञान एवं विषय निष्ठात प्रध्यापक है, जिसके परिणाम स्वरूप निरन्तर उच्च गुणवत्ता युक्त पठन पाठन महाविद्यालय में सतत संचालित है।

हमें समाज के सभी वर्गों से विशेष अपेक्षा है कि वे अपने बालक/बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में प्रविष्ट करायें। लम्बगाँव क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थितियों तथा पिछड़े शैक्षणिक विकास को गति देने के लिए सभी अभिभावक अपने पाल्यों को अध्ययन करायें और उत्तराखण्ड की देवभूमि को वैदूष्य से मण्डित कर स्वयं को गौरवान्वित करें। यह महाविद्यालय आपका है, इसका संरक्षण एवं संवर्धन आप-हम सभी का परम दायित्व है। माँ सरस्वती का यह ज्ञानदीप सतत् प्रज्वलित रहे, हम सदैव इसके प्रकाश से अवलोकित रहें और माँ भारती की सेवा में तत्पर रहें।

जयतु भारतम्!

जयतु उत्तराखण्डम्!

(डॉ० वेद प्रकाश)

प्राचार्य



फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय लम्बगाँव, (टिहरी गढ़वाल)

-: विवरणिका :-

महाविद्यालय की स्थापना उत्तराखण्ड की राजाज्ञा संख्या- 2771/मा.स.वि. /2001 दिनांक, 10 अगस्त 2001 को हुई। महाविद्यालय को हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल विषयों में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है। सैन्य विज्ञान, गृह विज्ञान एवं संस्कृत विषयों में अस्थायी सम्बद्धता प्राप्त है। महाविद्यालय में शिक्षण सत्र 2020-21 से विज्ञान संकाय में स्नातक स्तर पर पाँच विषयों वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान भौतिक विज्ञान एवं गणित की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। साथ ही शासन द्वारा प्राचार्य-01 पद, अर्थशास्त्र 01 पद अंग्रेजी-01 पद, हिन्दी-01 पद, इतिहास-01 पद, राजनीति विज्ञान-03 पद, भूगोल-03 पद, समाजशास्त्र-01 पद, संस्कृत-01 पद, सैन्य विज्ञान-01 पद तथा गृह विज्ञान-01 विज्ञान संकाय में वनस्पति विज्ञान-0 पद जन्तु विज्ञान-01 पद, रसायन विज्ञान-01 पद, भौतिक विज्ञान-01 पद गणित-01 पद, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष-01 पद, रसायन विज्ञान-01 पद, भौतिक विज्ञान-01 पद, गणित-01 पद, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष-01 पद प्रवर सहायक-01 पद, प्रयोगशाला सहायक (भूगोल)-02 पद, प्रयोगशाला सहायक-02 (विज्ञान संकाय) पुस्तकालय लिपिक-01 पद, परिचारक-01 पद, प्रयोगशाला परिचारक विज्ञान संकाय-01 पद, अनुसेवक एवं सफाईकर्मी-05 पद सृजित है। महाविद्यालय उत्तराखण्ड के जनपद टिहरी गढ़वाल के प्रतापनगर लम्बगाँव में स्थित है। जो अत्यन्त दुर्गम क्षेत्र है। महाविद्यालय संवेदना रचनात्मक विचार, सामाजिक तथा ज्ञान की प्रभुता के माध्यम से समाज में मूलभूत परिवर्तन के आदर्श को लेकर प्रतिबद्ध दृष्टि रखता है। तथा स्थापना वर्ष से अब अपने आदर्श वाक्य (बहुमुखी विकास की ओर) अग्रसर है। यह महाविद्यालय के लिए हर्ष की विषय है कि सत्र-2012-13 के उत्तरार्द्ध में महाविद्यालय को यू0जी0सी0 के 12 बी0 की मान्यता प्राप्त हो गई जो संस्था की प्रगति को नवीन आयाम उपलब्ध करायेगा।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय में प्रवेश, पाठक्रम, परीक्षा और अनुशासन हेतु विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)द्वारा समय-समय पर निर्गत नियम/आदेश/निर्देश प्रभावी होते हैं।

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया एवं नियम:-

- 1- प्रवेशार्थी आवेदन पत्र जमा करने से पूर्व निम्नांकित नियम अवश्य पढ़ ले तथा प्रवेश सम्बन्धी आवश्यक अर्हता पूर्ण करने के पश्चात ही आवेदन पत्र भरें। वे प्रवेशार्थी जिनके पास न्यूनतम अर्हता नहीं है, फिर भी आवेदन करते हैं, तो उनके आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। अपूर्ण आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 2- महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विवरणिका (Prospectus) सहित कार्यालय से निर्धारित शुल्क- 100 रु0 नगद देने पर प्राप्त किया जा सकता है। समस्त प्रविष्टियों की पूर्ति के पश्चात आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक पंजीकरण शुल्क के साथ महाविद्यालय कार्यालय में जमा करें। निर्धारित तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 3- बी.ए. प्रथम वर्ष हेतु प्रवेशार्थी प्रवेश आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण पत्र अवश्य संलग्न करें।

- (अ) अन्तिम शिक्षण संस्था द्वारा प्रदत्त मूल स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (टी० सी०) एवं मूल चरित्र प्रमाण-पत्र (सी० सी०)
- (ब) विगत समस्त परीक्षाओं के अंक पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
- (स) हाई स्कूल प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि (आयु प्रमाण-पत्र हेतु)
- (द) पासपोर्ट साईज के चार रंगीन नवीनतम फोटोग्राफ।
- (य) अनुसूचित जाति/जनजाति/उत्तराखण्ड के पिछड़ी जाति/विकलांग प्रवेशार्थी को सक्षम अधिकारी (एस०डी०एम०/परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/मुख्य चिकित्साधिकारी) द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र व आयु प्रमाण-पत्र संलग्न हो।

बी.ए. तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राएँ अन्तिम उत्तीर्ण परीक्षा का अंक पत्र संलग्न करें।

- 4- प्रवेश के लिए आवश्यक सभी प्रपत्र आवेदन पत्र के साथ ही जमा करने होंगे। आवेदन पत्र जमा करने के पश्चात किसी भी प्रकार का कोई प्रपत्र आवेदन पत्र में संलग्न नहीं किया जायेगा। जिन छात्र/छात्राओं के प्रमाण-पत्रों में नाम की त्रुटि है उन्हें शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि दोनों नाम उसी के हैं।
- 5- बी० ए० प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु इण्टरमीडियट या समकक्ष परीक्षा में कम से कम 40 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। किसी भी परिस्थिति में 39.9 प्रतिशत को 40 नहीं माना जायेगा।
- 6- यदि कोई बाह्य छात्र बी० ए० द्वितीय वर्ष अथवा तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहता है तो उसके न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत होना आवश्यक है। किसी भी परिस्थिति में 39.9 प्रतिशत को 40 नहीं माना जायेगा।
- 7- आवेदक को अपने प्रवेश प्रपत्र में दी गई खाली जगह में अपना नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साईज स्वप्रमाणित रंगीन फोटोग्राफ लगाना अनिवार्य है।
- 8- आवेदक को परामर्श दिया जाता है कि वे निर्धारित प्रवेश प्रपत्र में अपना प्रवेश आवेदन भरकर अंतिम तिथि से पूर्व जमा करायें। अंतिम तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
- 9- अधूरे प्रवेश आवेदन प्रपत्र/निर्धारित प्रवेश प्रपत्र में नहीं भरे गये आवेदन पत्र/अधूरे कागजात युक्त प्रवेश आवेदन पत्र किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
- 10- महाविद्यालय द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम/कार्यक्रम/विषय हेतु प्रस्तावित सीटों की संख्या प्रस्तावित शैक्षिक सत्र में किसी भी स्थिति में बढ़ाई नहीं जायेगी।

उत्तराखण्ड शासनादेश संख्या-1144/कार्मिक/2/2001/53 (1)/2001 द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार सुविधा अनुमन्य होगी। इसके लिए अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को आरक्षण की सुविधा सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र संलग्न करने पर क्रमशः 19%, 4% व 14% आरक्षण का लाभ दिया जायेगा। उसके अतिरिक्त उपरोक्त श्रेणियों एवं सामान्य श्रेणी में निम्न प्रकार से क्षैतिज आरक्षण अनुमन्य होगा।

- | | | | |
|--------------------------|-----|---|-----|
| 1- महिलाएँ | 30% | 2- भूतपूर्व सैनिक | 05% |
| 3- विकलांग व्यक्ति | 3% | 4- स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित | 02% |

जो छात्र/छात्रा जिस वर्ग का होगा/होगी उसे उसी वर्ग में कैतिज आरक्षण अनुमन्य होगा। परन्तु अपरोक्त सभी आरक्षण तभी देय होंगे जबकि प्रवेशार्थी प्रवेश सम्बन्धी न्यूनतम अर्हता रखते हों।

अन्य पिछड़ा वर्ग के सम्बन्ध में आरक्षण देने हेतु वही प्रावधान होंगे जो उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रकाशित हैं। वह छात्र/छात्रा अन्य पिछड़े वर्ग की अनुसूची में आता हो तथा साथ ही अधिसूचना सं० 22-16-92 का 2-1995 टी०सी० दिनांक 8 दिसम्बर 1995 द्वारा यथा संशोधित के अनुरूप सम्पन्न वर्ग अन्तर्गत क्रीमीलेयर में न आता हो। उत्तराखण्ड शासन द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के अन्तर्गत जिन जातियों की सूचियों की अधिसूचना प्रकाशित हुयी थी उन जातियों में से उत्तराखण्ड में निवास कर रही "अन्य पिछड़े वर्ग" की जातियों को ही अन्य पिछड़े वर्ग के अन्तर्गत आरक्षण का लाभ दिया जायेगा।

- अभ्यर्थी साक्षात्कार की तिथि की जानकारी सूचना पट्ट से ज्ञात करेंगे। आवेदक को अपने मूल प्रमाण-पत्रों एवं प्रशंसा पत्रों के साथ अपने शैक्षिक रिकार्ड और पहचान के लिए प्रवेश समिति के समक्ष स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है। साक्षात्कार में अनुपस्थित अभ्यर्थी का प्रवेश हेतु दावा बाद में किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा।
- प्रवेश के पूर्व स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र मूल रूप में जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को एक माह के अन्दर प्रवजन प्रमाण-पत्र जमा करना होगा, अन्यथा प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
- संस्थागत विद्यार्थी के रूप में केवल उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जायेगा। अनुत्तीर्ण एवं अन्य किसी कारण परीक्षा में सम्मिलित न होने वाले विद्यार्थी प्रवेश के पात्र नहीं होंगे, वे भूतपूर्व छात्र के रूप में सम्मिलित हो सकते हैं।
- जिन विद्यार्थियों की गतिविधियां अनुशासन मण्डल की दृष्टि में अवांछनीय हैं उन्हें प्रवेश देने से प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रवेशार्थी का प्रवेश के समय एन्टी रैगिंग के सन्दर्भ शपथ-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (प्रारूप आवेदन पत्र में संलग्न)
- पूर्व परीक्षाओं में अनुचित साधन प्रयोग करने वाले छात्र/छात्रा को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। प्रत्येक संस्थागत विद्यार्थी की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
- महाविद्यालय किसी अभ्यर्थी को प्रवेश सम्बन्धी कोई सूचना देने के लिए बाध्य नहीं होगा प्रवेशार्थी का यह दायित्व होगा कि वे समय-समय पर महाविद्यालय के सूचना पट्ट से सूचनाएँ प्राप्त करते रहें।
- असत्य तथा अपूर्ण सूचनाएँ देने पर किसी भी छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है यदि त्रुटिवश/गलत तथ्यों के आधार पर विद्यार्थी को प्रवेश दिया गया हो तो ऐसे तथ्यों के प्रकाश में आने पर प्राचार्य/प्रवेशाधिकारी को उसके अनियमित प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
- संस्थागत छात्र उपाधि हेतु एक सत्र में अन्य किसी शिक्षण संस्थान में प्रवेश नहीं लेगा और न ही किसी उपाधि हेतु अन्य परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा। यदि कोई छात्र नियम का उल्लंघन कर परीक्षा में सम्मिलित हो जाता है तो विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा उसकी परीक्षा निरस्त कर दी जायेगी।
- महाविद्यालय में कला संकाय में स्नातक स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, सैन्य विज्ञान, संस्कृत, एवं गृहविज्ञान विषयों एवं स्नातक विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान गणित, जन्तु विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान एवं स्नातकोत्तर स्तर पर राजनीति शास्त्र एवं भूगोल विषयों के शिक्षण की समुचित व्यवस्था है।
- विषय का आबंटन उस विषय में उपलब्ध सीटों के आधार पर होगा।
- अन्य राज्यों से प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्राओं की टी.सी. द्वारा काउंटर साइन होनी चाहिए।
- स्नातक (बी०ए०) प्रथम वर्ष में श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने के कारण प्रवेश हेतु नियम विश्वविद्यालय के अनुसार प्रभावी होंगे।

महाविद्यालय मे विभिन्न विषयों में अनुमन्य सीट :-

पाठक्र	अवधि/सत्र	विषय	अनुमन्य सीट
बी०ए०	०३ वर्ष/०६ सेमेस्टर	हिन्दी	६०
		अंग्रेजी	६०
		भूगोल	६०
		अर्थशास्त्र	६०
		इतिहास	६०
		समाजशास्त्र	६०
		राजनीति विज्ञान	६०
		संस्कृत	४०
		सैन्यविज्ञान	४०
		गृह विज्ञान	४०
एम० ए०	०२ वर्ष /०४ सेमेस्टर	भूगोल	४०
		राजनीति विज्ञान	४०
बी० एस० सी०	०३ वर्ष /०६ सेमेस्टर	वनस्पति विज्ञान	६०
		जन्तु विज्ञान	६०
		रसायन विज्ञान	१२०
		गणित	६०
		भौतिक	६०

पुस्तकालय:-

- महाविद्यालय पुस्तकालय प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः १० बजे से सांय ५ बजे तक खुला रहता है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अपना परिचय-पत्र, पुस्तकालय कार्ड प्रस्तुत करना होगा, इसके बिना पुस्तक निर्गत नहीं की जायेगी। विद्यार्थियों को एक समय कुल तीन ही पुस्तकें निर्गत की जायेंगी। पुस्तकों को सुरक्षित रखने का दायित्व विद्यार्थियों का होगा। अन्यथा पुस्तकों का मूल्य जमा करना होगा। समस्त पुस्तकों को परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व वापस करना होगा, अन्यथा विद्यार्थी को प्रवेश-पत्र निर्गत नहीं किया जायेगा। विद्यार्थी एक पुस्तक १५ दिन से अधिक अपने पास नहीं रख सकता अन्यथा प्रति-दिन के हिसाब से रु० १=०० देय होगा।

वाचनालय:-

- महाविद्यालय में छात्रों के समसामायिक ज्ञान को बढ़ाने एवं देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ने हेतु दैनिक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं एवं रोजगार समाचार पत्रों की भी व्यवस्था है। जिन्हें विद्यार्थी अपना परिचय-पत्र जमा कर वाचनालय में पढ़ सकते हैं।

महाविद्यालय पत्रिका:-

- महाविद्यालय पत्रिका "मोनाल" का चतुर्थ अंक प्रकाशनाधीन है। छात्र/छात्राओं में रचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि हेतु आगामी सत्रों में पत्रिका का नियमित प्रकाशन किया जायेगा।

पुस्तकालय:-

- महाविद्यालय पुस्तकालय प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक खुला रहता है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अपना परिचय-पत्र, पुस्तकालय कार्ड प्रस्तुत करना होगा, इसके बिना पुस्तक निर्गत नहीं की जायेगी। विद्यार्थियों को एक समय कुल तीन ही पुस्तकें निर्गत की जायेंगी। पुस्तकों को सुरक्षित रखने का दायित्व विद्यार्थियों का होगा। अन्यथा पुस्तकों का मूल्य जमा करना होगा। समस्त पुस्तकों को परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व वापस करना होगा, अन्यथा विद्यार्थी को प्रवेश-पत्र निर्गत नहीं किया जायेगा। विद्यार्थी एक पुस्तक 15 दिन से अधिक अपने पास नहीं रख सकता अन्यथा प्रति-दिन के हिसाब से रु0 1=00 देय होगा।

वाचनालय:-

- महाविद्यालय में छात्रों के समसामायिक ज्ञान को बढ़ाने एवं देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ने हेतु दैनिक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं एवं रोजगार समाचार पत्रों की भी व्यवस्था है। जिन्हें विद्यार्थी अपना परिचय-पत्र जमा कर वाचनालय में पढ़ सकते हैं।

महाविद्यालय पत्रिका:-

- महाविद्यालय पत्रिका "मोनाल" का चतुर्थ अंक प्रकाशनाधीन है। छात्र/छात्राओं में रचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि हेतु आगामी सत्रों में पत्रिका का नियमित प्रकाशन किया जायेगा।

क्रीड़ा:-

- महाविद्यालय में क्रीड़ा (इन्डोर, आउटडोर) की उपयुक्त व्यवस्था है। छात्र/छात्रायें इनका समुचित लाभ उठा सकते हैं।

विभागीय परिषदें:-

- प्रत्येक विभाग में एक एक विभागीय परिषद होती है और सम्बन्धित विभाग के समस्त छात्र/छात्रायें परिषद के सदस्य होते हैं। विभागीय परिषद के तत्वावधान में निबन्ध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पाठ्येत्तर क्रियाकलाप आयोजित किये जाते हैं।

व्याख्यान:-

- छात्रों के सामान्य ज्ञान की अभिवृद्धि के लिए समय-समय पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सुयोग्य तथा विद्वत विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं।

छात्रवृत्ति:-

- महाविद्यालय अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग छात्र-छात्राओं को समाज कल्याण विभाग द्वारा आवंटित छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- महाविद्यालय द्वारा निर्धन छात्र-छात्राओं को भी की प्रोत्साहन राशि महाविद्यालय स्तर पर प्रदान की जाती है।

एण्टी रैगिंग :-

पुस्तकालय:-

- महाविद्यालय पुस्तकालय प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक खुला रहता है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अपना परिचय-पत्र, पुस्तकालय कार्ड प्रस्तुत करना होगा, इसके बिना पुस्तक निर्गत नहीं की जायेगी। विद्यार्थियों को एक समय कुल तीन ही पुस्तकें निर्गत की जायेंगी। पुस्तकों को सुरक्षित रखने का दायित्व विद्यार्थियों का होगा। अन्यथा पुस्तकों का मूल्य जमा करना होगा। समस्त पुस्तकों को परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व वापस करना होगा, अन्यथा विद्यार्थी को प्रवेश-पत्र निर्गत नहीं किया जायेगा। विद्यार्थी एक पुस्तक 15 दिन से अधिक अपने पास नहीं रख सकता अन्यथा प्रति-दिन के हिसाब से रु0 1=00 देय होगा।

वाचनालय:-

- महाविद्यालय में छात्रों के समसामायिक ज्ञान को बढ़ाने एवं देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ने हेतु दैनिक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं एवं रोजगार समाचार पत्रों की भी व्यवस्था है। जिन्हें विद्यार्थी अपना परिचय-पत्र जमा कर वाचनालय में पढ़ सकते हैं।

महाविद्यालय पत्रिका:-

- महाविद्यालय पत्रिका "मोनाल" का चतुर्थ अंक प्रकाशनाधीन है। छात्र/छात्राओं में रचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि हेतु आगामी सत्रों में पत्रिका का नियमित प्रकाशन किया जायेगा।

क्रीड़ा:-

- महाविद्यालय में क्रीड़ा (इन्डोर, आउटडोर) की उपयुक्त व्यवस्था है। छात्र/छात्रायें इनका समुचित लाभ उठा सकते हैं।

विभागीय परिषदें:-

- प्रत्येक विभाग में एक एक विभागीय परिषद होती है और सम्बन्धित विभाग के समस्त छात्र/छात्रायें परिषद के सदस्य होते हैं। विभागीय परिषद के तत्वावधान में निबन्ध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पाठ्येत्तर क्रियाकलाप आयोजित किये जाते हैं।

व्याख्यान:-

- छात्रों के सामान्य ज्ञान की अभिवृद्धि के लिए समय-समय पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सुयोग्य तथा विद्वत विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं।

छात्रवृत्ति:-

- महाविद्यालय अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग छात्र-छात्राओं को समाज कल्याण विभाग द्वारा आवंटित छात्रवृत्ति प्रदान करता है।
- महाविद्यालय द्वारा निर्धन छात्र-छात्राओं को भी की प्रोत्साहन राशि महाविद्यालय स्तर पर प्रदान की जाती है।

एण्टी रैगिंग :-

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के खण्ड 26 के उपखण्ड -1 -की धारा-G- द्वारा प्रदत्त

पुस्तकालय:-

- महाविद्यालय पुस्तकालय प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक खुला रहता है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अपना परिचय-पत्र, पुस्तकालय कार्ड प्रस्तुत करना होगा, इसके बिना पुस्तक निर्गत नहीं की जायेगी। विद्यार्थियों को एक समय कुल तीन ही पुस्तकें निर्गत की जायेंगी। पुस्तकों को सुरक्षित रखने का दायित्व विद्यार्थियों का होगा। अन्यथा पुस्तकों का मूल्य जमा करना होगा। समस्त पुस्तकों को परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व वापस करना होगा, अन्यथा विद्यार्थी को प्रवेश-पत्र निर्गत नहीं किया जायेगा। विद्यार्थी एक पुस्तक 15 दिन से अधिक अपने पास नहीं रख सकता अन्यथा प्रति-दिन के हिसाब से रु0 1=00 देय होगा।

वाचनालय:-

- महाविद्यालय में छात्रों के समसामायिक ज्ञान को बढ़ाने एवं देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ने हेतु दैनिक समाचार पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं एवं रोजगार समाचार पत्रों की भी व्यवस्था है। जिन्हें विद्यार्थी अपना परिचय-पत्र जमा कर वाचनालय में पढ़ सकते हैं।

महाविद्यालय पत्रिका:-

- महाविद्यालय पत्रिका "मोनाल" का चतुर्थ अंक प्रकाशनाधीन है। छात्र/छात्राओं में रचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि हेतु आगामी सत्रों में पत्रिका का नियमित प्रकाशन किया जायेगा।

क्रीड़ा:-

- महाविद्यालय में क्रीड़ा (इन्डोर, आउटडोर) की उपयुक्त व्यवस्था है। छात्र/छात्रायें इनका समुचित लाभ उठा सकते हैं।

स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शुल्क का विवरण

1). कोषागार निधि

मंहगाई शुल्क	240.00
प्रवेश/पुनः प्रवेश	03.00
विकास शुल्क	20.00
पुस्तकालय शुल्क	03.00
प्रयोगात्मक शुल्क	240.00
पंखा शुल्क	05.00
शिक्षण शुल्क (स्नातकोत्तर)	180.00

विभिन्न कक्षाओं का शुल्क विवरण

क्रमांक	पद का नाम	बी०ए० प्रथम वर्ष (बिना प्रयोगात्मक विषय के)	बी०ए० प्रथम वर्ष (एक प्रयोगात्मक विषय के साथ)	बी०एस०-सी० प्रथम वर्ष (गणित वर्ग)	बी०एस०-सी० प्रथम वर्ष (विज्ञान वर्ग)	एम०ए० प्रथम सेमेस्टर राजनीति शास्त्र	एम०ए० प्रथम सेमेस्टर भूगोल
1.	कम्प्यूटर इण्टर नेट	70	70	70	70	70	70
2.	जनरेटर	50	50	50	50	50	50
3.	महाविद्यालय विकास निधि	20	20	20	20	20	20
4.	काउन्सलिंग	30	30	30	30	30	30
5.	विविध	100	100	100	100	100	100
6.	क्रीड़ा	360	360	360	360	360	360
7.	वाचनालय	30	30	30	30	30	30
8.	पत्रिका	50	50	50	50	50	50
9.	परिचय पत्र	25	25	25	25	25	25
10.	निर्धन छात्र सहायता	10	10	10	10	10	10
11.	सांस्कृतिक समारोह	50	50	50	50	50	50
12.	कॉलेज दिवस समारोह	20	20	20	20	20	20
13.	छात्र संघ	50	50	50	50	50	50
14.	प्रयोगशाला सामग्री शुल्क	-	60	120	180	-	60
15.	पी०टी०ए०	30	30	30	30	30	30
16.	विद्युत	60	60	60	60	60	60
17.	प्रसाधन	50	50	50	50	50	50
18.	विभागीय परिषद	50	50	50	50	50	50
19.	पार्किंग	30	30	30	30	30	30
20.	प्रायोगिक परीक्षा	-	-	-	-	180	180
21.	परीक्षा/ नामांकन/ उपाधि/पर्यावरण शुल्क वि०वि० द्वारा परीक्षा आवेदन के साथ जमा किया जायेगा						
22.	योग	1085	1145	1205	1265	1265	1325
23.	कोषागार शुल्क	271	511	751	991	451	691
24.	महायोग	1356	1656	1956	2256	1716	2016

नोट:- शुल्क का पुनः निर्धारण उच्च शिक्षा निदेशालय शासन एवं विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगा।

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य/शिक्षक

1. डॉ० वेद प्रकाश - प्राचार्य, 9760923214, dr.vedprakash@gmail.com
2. डॉ० विपिन कुमार शर्मा - असि० प्रो० (हिन्दी), 9758917725, vipinsharmaanhad82@gmail.com
3. डॉ० सतेन्द्र कुमार पाण्डे - असि० प्रो० (राजनीति शास्त्र), 9450305978, dr.skp71@gmail.com
4. डॉ० भरत सिंह चुफाल - असि० प्रो० (सैन्य विज्ञान), 9411180888, bharatsinghchufal@gmail.com
5. श्रीमती प्रियंका डिमरी - असि० प्रो० (वनस्पति विज्ञान), 7895682522, dirmripriyanka88@gmail.com
6. डॉ० मयंक - असि० प्रो० (गणित), 9149078773, mayank@gmail.com
7. श्री डी०पी० औलिया - आसि० प्रो० (रसायन विज्ञान), 9410308359, durgapasadoli2812@gmail.com
8. श्री धनेश प्रसाद - असि० प्रो० (इतिहास), 9927582482, uniyalprasad246@gmail.com
9. श्री विजय सिंह राणा - असि० प्रो० (भौतिक विज्ञान), 7830551331, vijayphy1@gmail.com
10. डॉ० अमिता विहान - असि० प्रो० (समाजशास्त्र), 9639349669, dr.amitabihan@gmail.com
11. श्रीमती अनुजा रावत - असि० प्रो० (भूगोल), 8938925351, anujarawat4@gmail.com
12. डॉ० शुभम उनियाल - असि० प्रो० (संस्कृत), 9650268569, shobhi.jnu@gmail.com
13. डॉ० मयनी चौधरी - असि० प्रो० (गृह विज्ञान), 7830551331, mayanichaudhary@gmail.com
14. श्री रवीन्द्र लाल शाह - असि० प्रो० (राजनीति शास्त्र), 9997492319, shahravi989@gmail.com
15. श्री अजीत सिंह - असि० प्रो० (अर्थशास्त्र), 8755072322, ajeetrana91@gmail.com
16. श्री बलबीर सिंह चौहान - असि० प्रो० (राजनीति शास्त्र), 9870776337, balbirchauhan931@gmail.com
17. डॉ० भरत सिंह - संविदा शिक्षक (भूगोल), 9412140631, drbharatsinghrana@gmail.com
18. डॉ० अब्दुल वहाब - प्रातः/संध्याकालीन (भूगोल), 9258718669, babdulwahab32@gmail.com
19. डॉ० मनवीर सिंह कण्डारी - गेस्ट फ़ैकल्टी (जन्तु विज्ञान), 8859807616, manveerkandari@gmail.com
20. कु० अनुकृति बडोला - गेस्ट फ़ैकल्टी (अंग्रेजी), 6395253493, anubadola.5@gmail.com

शिक्षणेत्र कर्मचारी

1. श्री बलबीर सिंह विष्ट - वरिष्ठ सहायक, 8006736567, balveerbisht1970@gmail.com
2. श्री मुकेश चन्द्र रमोला - सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष, 9410108346, mukeshchandr255@gmail.com
3. श्रीमती सुमनलता - प्रयोगशाला स०, (वन० वि०), 9760526738, sumanlata21051981@gmail.com
4. श्रीमती चम्पा देवी - प्रयोगशाला सहायक, (ग्रह वि०), 9456718228,
5. श्री प्रदीप सिंह - संविदा कनि० सहा०, 9997978937, pardeeprawatgdclambgaon@gmail.com
6. श्री बृजमोहन सिंह - संविदा पुस्तकालय लिपिक, 7895341369, brijmohansingh49@gmail.com
7. श्री लोकेन्द्र सिंह - संविदा अनुसेवक, 9690201438, lokeshsavita2013@gmail.com
8. श्री सोबन सिंह - संविदा अनुसेवक, 8121526436, sobanr753@gmail.com
9. श्रीमती मधु देवी - संविदा अनुसेविका, 9895435525, madhudevi6768@gmail.com
10. श्री मकान सिंह - संविदा अनुसेवक, 8938834801, makansingh0131989@gmail.com
11. श्री गोवर्धन पटेल - सफाईकर्मि/रात्रि चौकीदार, 9557648541, goverdhanpatel2305@gmail.com
12. कु० मनीषा - संविदा अनुसेवक, 6397677265, manishapanwar425@gmail.com
13. श्री सूरज सिंह - संविदा अनुसेवक, 7349065955, surajrawatrawat@gmail.com

